

DATE :- 12-10-2026

DAINIK BHASKAR, PAGE-02, SURAT

जीएमआरसी

विकास परियोजना के तहत अब तक करीब 1,040 पेड़ों का ट्रांसप्लांट किया जा चुका, पौधरोपण जारी भेसाण में एक किमी हरियाली की चादर, 1 हजार पेड़ों की जगह मेट्रो ने खड़ा किया 14,133 पेड़ों का जंगल

लवकुश मिश्रा | सुरत

सूरत मेट्रो के निर्माण के साथ शहर को हरियाली की नई सौगात भी मिल रही है

विकास परियोजनाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण जरूरी है। इसी सोच के तहत सूरत मेट्रो ने अपनी प्रोजेक्ट की शर्तों को पूरा करते हुए पौधरोपण के जरिए हरियाली बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए। निर्माण कार्य के दौरान हरियाली पर पड़े प्रभाव की भरपाई के लिए तय किए गए पौधरोपण के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में मेट्रो प्रशासन ने हरित क्षेत्र विकसित करने की पहल की है। भेसाण में तैयार हुआ हरित क्षेत्र इसी जिम्मेदारी का उदाहरण है।

सूरत मेट्रो के निर्माण के साथ शहर को हरियाली की नई सौगात भी मिल रही है। भेसाण के मेट्रो डिपो के नजदीक 1133 पेड़ लगाने के प्रस्ताव के तहत अब तक 14,133 पौधों से हरियाली बिखेरने का कार्य किया है। करीब एक किलोमीटर के इलाके में जंगल आकार ले रहा है। मेट्रो प्रशासन के अनुसार, यहां लगाए गए पौधों ने हरियाली का घना स्वरूप ले लिया है। इस पहल के जरिए निर्माण के दौरान पेड़ों पर पड़े असर की भरपाई के साथ शहर में नया हरित क्षेत्र तैयार हुआ है।



■ 1,040 पेड़ों का ट्रांसप्लांट किया जा चुका है | बता दें सूरत मेट्रो फेज-1 की कुल लंबाई 40.35 किलोमीटर है। परियोजना के लिए पर्यावरणीय सर्वे में करीब 2,500 पेड़ों की पहचान की गई थी। इनमें 932 पेड़ों की कटाई और 1,161 पेड़ों के ट्रांसप्लांट की योजना बनाई गई। गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, अब तक करीब 1,040 पेड़ों का ट्रांसप्लांट किया जा चुका है। इसके अलावा परियोजना के तहत अब 14 हजार से अधिक पौधे लगाने का भी काम किया गया है।